।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus for **M. A. Part II**
3rd & 4th Semister

HINDI

(w. e. f. June 2011)

तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

प्रश्नपत्र HIN-231 : सामान्य स्तरः आधुनिक काव्य

प्रश्नपत्र HIN-232 : विशेष स्तरः भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र HIN-233 : विशेष स्तरः हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र HIN- 234 (a) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : हिंदी आलोचना
HIN- 234 (b) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : भारतीय साहित्य
HIN- 234 (c) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : अनुवाद विज्ञान
HIN- 234 (d) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : मीडिया लेखन
HIN- 234 (e) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : प्रयोजनमूलक हिंदी
HIN- 234 (f) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : लोकसाहित्य

चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

प्रश्नपत्र HIN-241 : सामान्य स्तरः आधुनिक काव्य

प्रश्नपत्र HIN-242 : विशेष स्तरः भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र HIN-243 : विशेष स्तरः हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र HIN- 244 (a) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : हिंदी आलोचना
HIN- 244 (b) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : भारतीय साहित्य
HIN- 244 (c) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : अनुवाद विज्ञान
HIN- 244 (d) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : मीडिया लेखन
HIN- 244 (e) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : प्रयोजनमूलक हिंदी
HIN- 244 (f) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : लोकसाहित्य

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी

(जून 2011 से प्रारंभ)

प्रश्नपत्र : सामान्य स्तरः आधुनिक काव्य

✦ उद्देश्य :-

i) आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

ii) आधुनिक काल के महाकाव्य, खंडकाव्य, काव्य नाटक, नई कविता, ग़ज़ल आदि विधाओं की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्त्विक स्वरूप का ज्ञान कराना तथा इन विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।

iii) विधाओं के विकास के परिप्रेक्ष्य में उनका अध्ययन तथा समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना।

प्रश्नपत्र HIN-231 : सामान्य स्तरः आधुनिक काव्य
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

1) कामायनी - जयशंकर प्रसाद (लज्जा, चिंता और काम सर्ग)
भारती भंडार, इलाहाबाद

2) द्रौपदी - नरेंद्र शर्मा
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र HIN-241 : सामान्य स्तरः आधुनिक काव्य
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

3) संशय की एक रात - नरेश मेहता
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4) आयाम - सं. विश्वनाथ गौड़, ललित शुक्ल
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस संग्रह की निम्नलिखित कविताएँ पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित की गई है -

अ) नागार्जुन :
कविताएँ - i) प्रेत का बयान ii) बादल को घिरते देखा iii) भस्मांकुर

आ) अज्ञेय :
कविताएँ - i) कितनी शांति । कितनी शांति। ii) सागर किनारे iii) कलगी बाजरे की।

इ) गजानन माधव मुक्तिबोध :
कविताएँ - i) मेरे लोग ii) मुझे पुकारती हुई पुकार iii) पता नहीं।

ई) गिरिजाकुमार माथूर :

कविताएँ - i) अधूरा गीत ii) बौनों की दुनिया iii) माटी और मेघ।

ए) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना :
कविताएँ - i) नये साल पर ii) सौंदर्य बोध iii) अब नदियाँ नहीं सूखेंगी।

5) जहीर कुरेशी की चुनिंदा ग़ज़लें - सं. डॉ. मधु खराटे
विद्या प्रकाशन, कानपुर

पाठ्यक्रम हेतु इस संकलन की 3,5,10,11,14,15,22,24,25,30,34,37,43,44,45,46,48,49,50 तथा 51 क्रमांक की ग़ज़लें निर्धारित की गयी है।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) कामायनी कला और दर्शन - राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2) कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3) कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन - डॉ. इंद्रनाथ मदान, निलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
4) कामायनी दर्शन - कन्हैयालाल सहल, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
5) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. नगेंद्र
6) नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
7) तारसप्तक के कवि - काव्यशिल्प के मान - कृष्णलाल, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
8) अज्ञेय एवं मुक्तिबोध - डॉ. ललिता राठोड, विद्या प्रकाशन, कानपुर
9) युगपुरुष कवि अज्ञेय - डॉ. रामेश्वर बाँगड, विद्या प्रकाशन, कानपुर
10) अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
11) गजानन माधव मुक्तिबोध : जीवन और काव्य - डॉ. महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली
12) मुक्तिबोध की काव्यभाषा - डॉ. रतनकुमार, चिंतन प्रकाशन, कानपुर
13) गिरिजाकुमार माथूर के काव्य की बनावट और बुनावट - मधु माहेश्वरी
14) नये कवि : एक अध्ययन (भाग 2) डॉ. संतोष कुमार तिवारी
15) नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16) नागार्जुन एक अध्ययन - डॉ. ललिता आरोडा
17) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन - प्रतिभा मुदलियार
18) नरेश मेहता का काव्य: विमर्श और मूल्यांकन - प्रभाकर शर्मा
19) साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल - डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
20) हिंदी ग़ज़ल : उद्‌भव और विकास - डॉ. रोहिताश्व अस्थाना, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
21) हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम - डॉ. सरदार मुजावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22) जहीर कुरेशी : महत्व एवं मूल्यांकन - डॉ. विनय मिश्र, उर्वशीयम प्रकाशन, दिल्ली

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तरः भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

✦ उद्देश्य :-

i) भाषा विज्ञान की नव्यतम शाखा के अध्ययन के साथ-साथ हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझना।

ii) हिंदी भाषा के उद्‌भव और विकास को समझना।

iii) हिंदी की विभिन्न बोलियों का परिचय प्राप्त करना।

iv) देवनागरी लिपि का मानक रुप समझना और प्रयोग कराना।

प्रश्नपत्र HIN-232 : विशेष स्तरः भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ पाठ्यक्रम -

1) भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन का परंपरागत स्वरुप ।

2) भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ एवं स्वरुप, भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ - कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय।

3) स्वन एवं स्वनिम विज्ञान - स्वन का स्वरुप, स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण, वागवयव और उच्चारण प्रक्रिया, स्वनों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम का स्वरुप, स्वनिम का निर्धारण, स्वनिम के भेद, ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन।

4) रुप एवं रुपिम विज्ञान - रुप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसके भेद, धातु, प्रातिपदिक और पद, रुपिम का स्वरुप, रुपिम के भेद, रुप स्वनिम विज्ञान।

5) वाक्य विज्ञान - वाक्य का स्वरुप, अभिहितान्वयवाद (पक्ष वाद) और अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद), वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

6) अर्थ विज्ञान - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतीति, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ ।

प्रश्नपत्र HIN-242 : विशेष स्तरः भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

✦ **पाठ्यक्रम -**

1) प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का स्थूल परिचय ।

प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा - **क)** पाली, **ख)** प्राकृत - प्राकृत के प्रमुख भेद, **ग)** अपभ्रंश की विशेषताएँ और प्रमुख भेद - शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, महाराष्ट्री ।

2) हिंदी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय, खडी बोली, ब्रज, अवधी, दक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और पदात्मक संक्षिप्त परिचय।

3) हिंदी शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास ।

4) हिंदी भाषा का व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन एवं कारक का सोदाहरण परिचय।

5) देवनागरी लिपि - विशेषताएँ, देवनागरी लिपि का मानक रुप, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता।

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी
3) हिंदी : उद्‌भव, विकास और रुप - डॉ. हरदेव बाहरी
4) हिंदी भाषा का परिचय - बिन्दु माधव मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5) भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अम्बादास देशमुख, अतुल प्रकाशन, कानपुर
6) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा
7) मुग्धबोध भाषा विज्ञान - डॉ. रामेश्वर दयालु अग्रवाल, साधना प्रकाशन, मेरठ
8) समाज भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9) हिंदी भाषा विज्ञान - डी. डी. शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली
10) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12) भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर
13) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर
14) भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर

--------oooooooo---------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तरः हिंदी साहित्य का इतिहास

✦ **उद्देश्य :-**

i) युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की जानकारी देना।

ii) आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी तथा प्रमुख प्रतिनिधि कवियों एवं गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना।

प्रश्नपत्र HIN-233 : विशेष स्तरः हिंदी साहित्य का इतिहास
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ **पाठ्यक्रम :**

<u>आदिकाल</u> :

1) हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार, भाषा साहित्य, प्रथम साहित्यकार।
2) आदिकाल के विविध नाम - चारणकाल, सिध्द सामंत काल, वीरगाथा काल और नामकरण के आधार।
3) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।
4) रासो साहित्य परंपरा - रासो शब्द के अर्थ, रासो के प्रकार, पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताएँ।
5) अपभ्रंश साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उनका हिंदी साहित्य पर प्रभाव।
6) सिध्द साहित्य का परिचय और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
7) नाथपंथी साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।
8) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय।

<u>भक्तिकाल</u> :

9) भक्ति आंदोलन का सामान्य परिचय और विविध संप्रदाय (इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे)।

10) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

11) निर्गुण भक्तिसाहित्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रेममार्ग एवं ज्ञानमार्ग - दोनों की परंपरा एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

12) ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधि कवि कबीर का साहित्यिक परिचय।

13) प्रेममार्ग के प्रतिनिधि कवि जायसी का साहित्यिक परिचय।

14) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद - रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति, दोनों की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

15) रामभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास का साहित्यिक परिचय।

16) कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - रसखान, सूर और मीरा का साहित्यिक परिचय।

17) नीतिकवि रहीम का साहित्यिक परिचय।

<u>रीतिकाल</u> :

18) रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार।

19) रीतिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

20) रीतिकालीन साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।

21) रीतिबध्द, रीतिसिध्द और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय।

22) आचार्यत्व और कवित्व की परंपरा।

23) रीतिकालीन कवियों का साहित्यिक परिचय - केशवदास, देव, चिंतामणि, भिखारीदास, बिहारी, घनानंद; भूषण, सेनापति, मतिराम, पद्माकर।

प्रश्नपत्र HIN-243 : विशेष स्तरः हिंदी साहित्य का इतिहास
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

✦ **पाठ्यक्रम -**

आधुनिक काल :

गद्य - 1) परिस्थितियाँ - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं उनका साहित्य पर प्रभाव।

2) उपन्यास विधा का विकास - प्रेमचन्दपूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग।

3) कहानी विधा का विकास - स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।

4) नाटक विधा का विकास - प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग।

5) एकांकी विधा का विकास - स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।

6) निबंध विधा का विकास - भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग।

7) संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वर्णन, रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन।

8) आलोचना का विकास - भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, द्विवेदीयुगोत्तर।

9) हिंदी पत्रकारिता का विकासात्मक अध्ययन और भारतेन्दु, महावीरप्रसाद द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी और कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर के योगदान का अध्ययन।

पद्य - 1) भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

2) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

3) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा एवं मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा `नवीन` और सुभद्राकुमारी चौहान का योगदान।

4) छायावाद की प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी और लघुत्रयी

5) प्रगतिवाद : प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ।

6) प्रयोगवाद : प्रेरक कारण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता।

7) साठोत्तरी हिंदी नवगीत की प्रमुख विशेषताएँ।

8) साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल की प्रमुख विशेषताएँ।

✦ **संदर्भ ग्रंथ -**

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य की भूमिका : उद्‌भव, विकास - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5) हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
6) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
7) हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र
8) हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र
9) हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारीप्रसाद द्विवेदी
10) हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री
11) हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
12) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य - रामरतन भटनागर
13) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. रीता कुमार
14) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. विभुराम मिश्रा
15) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
16) आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास - डॉ. श्रीकृष्णलाल
17) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
18) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
19) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्रा, प्रका. विनय प्रकाशन, कानपुर
20) हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कृष्णलाल हंस
21) आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चनसिंह
22) साहित्य यात्रा - डॉ. मनोहर सराफ, प्रा. डॉ. श्रीमती रेखा गाजरे, प्रा. डॉ. श्रीमती कांता राठी, प्रका. अजिंठा एज्युकेशनल सप्लायर्स, भुसावल
23) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
24) नवगीत : संवेदना और शिल्प - डॉ. सत्येन्द्र शर्मा, साहित्य संगम प्रकाशन, इलाहाबाद
25) साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल - डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
26) हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम - डॉ. सरदार मुजावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

----------oooooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ उद्देश्य :-

i) आलोचना के स्वरुप और प्रवृत्ति का ज्ञान कराना।

ii) आलोचना के विकासक्रम का परिचय देना।

iii) हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पध्दति एवं आलोचना की तारतम्यता का बोध कराना।

iv) निर्धारित आलोचकों की आलोचना पध्दतियों के द्वारा छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (a) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : हिंदी आलोचना
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचक :

1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

3) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

अध्ययनार्थ विषय :

1) आलोचना का स्वरुप एवं उद्देश्य ।
2) आलोचना की प्रक्रिया।
3) आलोचक के गुण।
4) आलोचना और अनुसंधान, आलोचना और पाठालोचन, साहित्यालोचन और इतिहास लेखन।
5) निर्धारित आलोचकों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पध्दतियों का अध्ययन, साम्य एवं वैषम्य।
6) आधुनिक हिंदी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का स्थान।
7) आचार्य नंददुलारे बाजपेयी की समन्वयशील आलोचना।

प्रश्नपत्र HIN- 244 (a) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : हिंदी आलोचना
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

✦ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचक :

1) डॉ. नगेंन्द्र

2) डॉ. रामविलास शर्मा

3) डॉ. नामवर सिंह

अध्ययनार्थ विषय :

1) आलोचना के प्रमुख प्रकार - सैध्दांतिक, व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी, प्रभाववादी एवं स्वच्छन्दतावादी।
2) हिंदी आलोचना का विकासक्रम।
3) हिंदी आलोचना और सृजनशील साहित्य।
4) डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पध्दति।
5) डॉ. रामविलास शर्मा की मार्क्सवादी आलोचना।
6) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पध्दति एवं उनका हिंदी आलोचना में योगदान।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) हिंदी आलोचना उद्‌भव और विकास - भगवत स्वरुप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून
2) हिंदी के विशिष्ट आलोचक - नंदकुमार राय, वसुमति प्रकाशन, इलाहाबाद
3) हिंदी की सैध्दांतिक आलोचना - रुपकिशोर मिश्र, अनुभव प्रकाशन, कानपुर
4) हिंदी समीक्षा स्वरुप और संदर्भ - रामदरश मिश्र, मॅकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
5) हिंदी आलोचना का इतिहास - रामदरश मिश्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6) हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नॅशनल प्रकाशन, दिल्ली
8) डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिध्दांत - चौबे नारायण प्रसाद, नॅशनल प्रकाशन, दिल्ली
9) डॉ. रामविलास शर्मा - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10) आलोचक रामविलास शर्मा - नत्थनसिंह, विभूति प्रकाशन, नई दिल्ली
11) हिंदी आलोचना : स्वरुप और प्रक्रिया -सं. आनंद प्रकाश दीक्षित
12) आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत - डॉ. रामलाल सिंह
13) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
14) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपतीचंद्र गुप्त
15) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : व्यक्ति और साहित्य - डॉ. रामाधार शर्मा
16) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
17) दूसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह

18) स्वच्छंदतावादी समीक्षा नये आयाम - मिथिलेश सिंह

19) प्रमुख आलोचक- रामप्रसाद मिश्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

20) हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ उद्देश्य :-

i) भारतीय साहित्य से परिचित कराना।

ii) भारतीय साहित्य में चित्रित समस्याओं से परिचित कराना।

iii) भारतीय साहित्य के अध्ययन हेतु प्रेरित करना।

iv) हिंदी तथा अन्य भाषाओं के साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय मूल्यों का अध्ययन कराना।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (b) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : भारतीय साहित्य
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ पाठ्यक्रम

i) भारतीय साहित्य का स्वरुप।

ii) भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता।

iii) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

पाठयपुस्तके -

1) उपन्यास (बांग्ला) : अग्निगर्भ - महाश्वेता देवी
राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2) नाटक (कन्नड) : हयवदन - गिरीश कर्नाड
राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र HIN- 244 (b) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : भारतीय साहित्य
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

✦ पाठ्यक्रम

i) भारतीय साहित्य में वर्तमान भारत का बिंब।

ii) भारतीयता का समाजशास्त्र।

iii) हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

पाठयपुस्तके -

1) कहानी (मलयालम) : मंगलसूत्र - तकषी शिवशंकर पिल्लै

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

2) कविता (उडिया) : वर्षा की सुबह - सीताकान्त महापात्र
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) ज्ञानपीठ पुरस्कार - सं. डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 18, इन्स्टीट्युशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली - 3

2) भारतीय साहित्य - डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह
समवेत प्रकाशन, रामबाग, कानपुर - 12

3) भारतीय साहित्य - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी
आशीष प्रकाशन, कानपुर

4) तुलनात्मक अध्ययन : स्वरुप और समस्याएँ - सं. भ. ह. राजूरकर, राजमल बोरा
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ - डॉ. रामविलास शर्मा
वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ **उद्देश्य :-** विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों की जानकारी देना -

i) अनुवाद - परिभाषा, स्वरुप, महत्व और व्याप्ति।

ii) अनुवाद के विविध रुप और अनुवाद की प्रक्रिया।

iii) अनुवाद का सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष।

iv) अनुवाद करते समय उभरनेवाली विविध समस्याएँ और उनका समाधान।

v) अनुवाद कार्य का क्रमिक विकास एवं अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष।

vi) अनुवाद की क्षमता का विकास।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (c) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : अनुवाद विज्ञान तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

अध्ययनार्थ विषय :

1) अनुवाद की परिभाषाएँ तथा स्वरुप।
2) अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य।
3) अनुवाद कला या विज्ञान।
4) अनुवाद का लिखित एवं मौखिक स्वरुप तथा वर्तमान काल में उसकी प्रायोगिकता।
5) अनुवाद की प्रक्रिया - मूलभाषा के पाठबोधन, लक्ष्यभाषा में विशेषताएँ, अर्थहानि, अर्थांन्तरण, अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद।
6) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष।
7) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्व - द्विभाषिक कोश, त्रिभाषिक कोश, वर्णनात्मक कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, सयंत्र।
8) अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक विधा के आधार पर, प्रक्रिया के आधार पर तथा गद्य पद्य के आधार पर।
9) अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग १५० शब्दों में अपेक्षित)

प्रश्नपत्र HIN- 244 (c) : विशेष स्तर : वैकल्पिक :अनुवाद विज्ञान चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

1) रचनात्मक साहित्य के अनुवाद का स्वरुप, आवश्यकता, समस्याएँ एवं सीमाएँ।

2) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरुप, आवश्यकता, विशेषताएँ एवं समस्याएँ।

3) अनुवाद और भाषा विज्ञान -

   अ) भाषा विज्ञान के रुप और अनुवाद।

   आ) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान।

   इ) अनुवाद और अनुलेखन।

   ई) अनुवाद और अर्थ विज्ञान।

   उ) अनुवाद और रुप विज्ञान।

   ऊ) अनुवाद और शब्द विज्ञान।

4) अनुवाद कार्य में शैली - विचार:अनुवाद की शैली का स्वरुप एवं विशेषताएँ, सामग्री, विविध शैलियों का निर्वाह अथवा परिवर्तन की संभावनाएँ, प्रतिबध्दता एवं स्वतंत्रता का प्रश्न।

5) अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों, कहावतों के अनुवाद, अलंकारों के अनुवाद, काव्यानुवाद, नाटय का अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, सांस्कृतिक समस्या, शीर्षक की समस्या।

6) अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न - आवश्यकता तथा निकष।

7) अनुवादक की योग्यता, कर्तव्य एवं आचार संहिता, सफल अनुवादक की कसौटियाँ।

8) हिंदी साहित्य में अनुवाद कार्य की परंपरा का इतिहास।

9) अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित)

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमानी

3) अनुवाद कला - चारुदेव शास्त्री

4) अनुवादः सिध्दांत और व्यवहार - एस. के. शर्मा

5) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6) विशेषीकृत भाषा और अनुवाद - गोपाल शर्मा

7) काव्यानुवाद की समस्याएँ - महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश गागा

8) अनुवाद विज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति - सं. डॉ. मु. ब. शहा, डॉ. पीताम्बर सरोदे

9) अनुवादकता और समस्याएँ - वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशन और सांस्कृतिक ग्रंथालय

10) अनुवाद सिध्दान्त एवं स्वरुप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवाकान्त गोस्वामी

11) अनुवाद निरुपण - डॉ. भारती गोरे

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ उद्देश्य :-

i) मीडिया लेखन के महत्त्व को समझाना।

ii) मीडिया लेखन के प्रकारों का परिचय देना।

iii) मीडिया लेखन की उपादेयता पर प्रकाश डालना।

iv) मीडिया लेखन की क्षमता को विकसित कराना।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (d) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : मीडिया लेखन
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

पाठ्यक्रमः

अ) जनसंचार माध्यम :

1) जनसंचार माध्यम : परिभाषा एवं स्वरुप।

2) जनसंचार माध्यम का महत्त्व।

3) जनसंचार माध्यम का विकास।

4) जनसंचार के माध्यमों का परिचय।

आ) मुद्रित माध्यम :

1) समाचार पत्र की परिभाषा एवं स्वरुप।

2) समाचार पत्र का महत्त्व एवं आवश्यकता।

3) समाचार पत्र हेतु लेखन- समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, रिपार्ताज लेखन, विज्ञापन लेखन एवं साक्षात्कार।

4) मुद्रित माध्यमों में पत्रिकाओं की भूमिका।

इ) श्रव्य माध्यम :

1) रेडियो लेखन के सिध्दांत।

2) रेडियो के लिए समाचार लेखन।

3) रेडियो वार्ता लेखन।

4) रेडियो नाटक लेखन।

5) रेडियो रूपांतर लेखन।

प्रश्नपत्र HIN- 244 (d): विशेष स्तर : वैकल्पिक : मीडिया लेखन
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

ई) दृक-श्राव्य माध्यम - दूरदर्शन :

1) दूरदर्शन लेखन के सिध्दांत।
2) दृक-श्राव्य माध्यम- दूरदर्शन का स्वरुप एवं महत्त्व।
3) दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन।
4) धारावाहिक (सिरियल) लेखन।
5) विज्ञापन लेखन।

उ) दृक-श्राव्य माध्यम - सिनेमा :

1) सिनेमा लेखन के सिध्दांत।
2) फीचर फिल्म लेखन।
3) वृत्तचित्र लेखन।
4) संवाद लेखन।
5) पटकथा लेखन।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) मीडिया लेखन: सिध्दांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
2) मीडिया लेखन के सिध्दांत - एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3) मीडिया और हिंदी - सं. मधु खराटे, डॉ. हणमंत पाटील, राजेन्द्र सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
4) मीडियाकालीन हिंदी:स्वरुप एवं संभावनाएँ - डॉ. अर्जुन चव्हाण
5) मीडिया लेखन - सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6) संचार माध्यम लेखन - गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7) उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8) मीडिया और समाज - संजय गुलाठी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
9) मीडिया, भाषा और संस्कृति - कमलेश्वर, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
10) मीडिया विमर्श (पत्रकारिता) - रामशरण जोशी, समय प्रकाशन, नई दिल्ली
11) जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - नटराज प्रकाशन, दिल्ली
12) नये जनसंचार माध्यम और हिंदी - सं. सुधीर पचौरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

13) टेलिविजन लेखन - सं. असगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

14) टेलिविजन पटकथा लेखन - विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, दिल्ली

15) रेडियो नाटक की कला - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

16) जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

17) संचार माध्यम - सं. डॉ. अरविंद पांडेय, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद

18) टेलिविजन लेखन- सिध्दांत और प्रयोग - कुमुद नागर, भारत प्रकाशन, लखनऊ

19) दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम - कृष्णकुमार रत्तू, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

20) रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

21) समाचार लेखन के सिध्दांत और तकनीक - डॉ. संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर-1

22) रेडियो वार्ता शिल्प - डॉ. सिध्दनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

23) समाचार फिचर-लेखन और संपादन कला - डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

24) रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

25) जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग 1,2) - प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर

26) भारतीय मीडिया अंतरंग पहचान - सं. स्मिता मिश्र, भारत पुस्तक भंडार, नई दिल्ली

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ **उद्देश्य :-**

i) हिंदी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना।

ii) पत्राचार के विविध रुपों से परिचय कराना।

iii) जनसंचार माध्यमों से अवगत होना।

iv) अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (e) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : प्रयोजनमूलक हिंदी
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दान्त एवं प्रविधि - प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता, प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप एवं व्याख्या तथा प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी और विज्ञापन
3) हिंदी के विभिन्न रुप - साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यमभाषा।
4) देवनागरी लिपि - गुण, वैज्ञानिकता, दोष, सुधार, मानक वर्णमाला और संगणकीय दृष्टि से देवनागरी लिपि, नागरी अंक, भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रुप।
5) राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - प्रारुपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
6) पारिभाषिक शब्दावली - ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली (नमूना सूची संलग्न)

प्रश्नपत्र HIN- 244 (e) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : प्रयोजनमूलक हिंदी
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

1) पत्राचार - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदन पत्र - छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतनवृध्दि के लिए आवेदन, सरकारी पत्र - कार्यालय आदेश, अर्ध्द सरकारी पत्र, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति।
2) कम्प्यूटर - परिचय, रुपरेखा, उपयोग - इंटरनेट संपर्क उपकरण वेब पब्लिशिंग
3) जनसंचार माध्यम -

अ) मुद्रित माध्यम - समाचार लेखन, संपादकिय लेखन, रिपोर्ताज लेखन एवं साक्षात्कार।

आ) श्रव्य माध्यम - रेडियो वार्ता लेखन, रेडियो नाटक लेखन एवं रेडियो रूपांतर लेखन।

इ) दृक-श्राव्य माध्यम - धारावाहिक (सिरिअल) लेखन, फिचर फिल्म लेखन, वृत्तचित्र लेखन, पटकथा लेखन।

4) अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि एवं अनुवाद के प्रकार।

5) अंग्रेजी अथवा मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग १५० शब्दों में अपेक्षित)

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय - दिल्ली
2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकी करण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
3) मानक हिंदी का स्वरुप - भोलानाथ तिवारी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया , तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5) हिंदी विविध व्यवहारो की भाषा - सुवास कुमार , वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6) मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल, भारत प्रकाशन, दिल्ली
7) प्रयोजनमूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे , वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8) प्रयोजनमूलक हिंदी - कमल बोस , क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली
9) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग 1 से 3) - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर
10) कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11) प्रयोजनमूलक हिंदी - लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपूर

----------oooooooo----------

ज्ञान विज्ञान की शब्दावली :-

1) Actor - अभिनेता
2) Announcer - उद्घोषक
3) Anchor - टी. वी. कार्यक्रम को संचालित करनेवाला
4) Back-ground - पीछे का दृश्य, पृष्ठ भूमि
5) Camera rehrshal- अंतिम रिहर्सल
6) Caption - चित्र - शीर्षक
7) Caste - मुख्य कलाकारों की सूची
8) Director - निदेशक
9) Dress designer - वेशभूषा विशेषज्ञ
10) Dubbing - ध्वनि स्थानांतरण
11) Editing - संपादन
12) Flash back - स्मृति दृश्य
13) Floor Manager- मंच निदेशक
14) Frame - चौखटा
15) Graphic - चित्र, चार्ट, ग्राफ

16) Lighting - प्रकाश व्यवस्था
17) Live - सीधा प्रसारण
18) Mute - ध्वनि रहित दृश्य
19) Producer - निर्माता
20) Recording - ध्वन्यांकन
21) Scenario - दृश्यलेख
22) Special effect- विशेष प्रभाव
23) Title song - शीर्षक गीत
24) Writer - लेखक
25) Addles Paper - विज्ञापनरहित पध्दति
26) Alpha type- फोटो अक्षर योजन पध्दति
27) Artistic Layout- कलात्मक सज्जा
28) Automatic Composing स्वचल मुद्रायोजन
29) Banner - पताका
30) Bold Type - मोटा टाईप
31) Binding - जिल्दसाजी
32) Bulletin - विज्ञप्ति
33) Calendar news story तिथिगत समाचार
34) Cartoon - व्यंगचित्र
35) Catch line - शेषांश (शीर्षक)
36) Proof reader - मुद्रित शोधक
37) Column - स्तंभ
38) City Editor - नगर संपादक
39) Waxed paper - मोम कागज
40) Weekly - साप्ताहिक
41) Interview - साक्षात्कार
42) Brief - संक्षिप्त
43) Border - हाशिया
44) Verse - दोहा
45) Version - अनुवाद
46) Vocabulary - शब्द भंडार
47) Vernacular Language देशज भाषा
48) Authoress - लेखिका
49) Calligraphy - सुलेखन कला
50) Bibliography - ग्रंथसूची
51) Arial - हवाई
52) Amplification- वर्धन
53) Amplilie - ध्वनिवर्धक
54) Announce - उद्घोषणा
55) Audio - भाष्य, आवाज
56) Antenna - अन्टेना
57) Broad Casting- प्रक्षेपण
58) Capacity - क्षमता
59) Carrier wave modulation वाहक लहरियों में परिवर्तन
60) Connection - जोडना
61) Commentary - वृत्तवर्णन
62) Composer - स्वर रचनाकार
63) Recording - ध्वनिमुद्रण
64) Drum - नगाडा
65) Duel - द्वंद्वगीत, युगलगीत
66) Episode - प्रसंग, दृश्य
67) Opera - संगीत नाटक
68) Performance - प्रस्तुति
69) Orchestra - वाद्यवृंद
70) Computer - संगणक
71) Apparatus - उपकरण
72) Automation - स्वयंचलित यंत्र
73) Assembly language प्रोग्राम भाषा
74) Bit - सूचना की छोटी इकाई
75) Browsing - कंप्यूटर पर जानकारी ढूँढना
76) Browser- इंटरनेट संबंधी आज्ञावली
77) Byte - आठ बिटो का समूह
78) Code word - कुट शब्द
79) Command - आदेश
80) Chat - इंटरनेट द्वारा वार्तालाप
81) Curser - स्क्रिन पर दिखनेवाली रेखा - जो इधर उधर हो सकती है
82) Cyber - इंटरनेट से संबंधित
83) E-mail - संगणकिय डाक
84) Feed - जानकारी भरना
85) Hatch- संकेत अवैध तरीके से नष्ट करना
86) Instruction - निर्देश
87) Monitor - कंप्यूटर का परदा
88) Mouse - माऊस
89) Modem- संचार मार्ग और संगणक की कडी
90) Optical fiber - प्रकाशकीय तंतू
91) Pulse - स्पंद
92) Scan - संगणक पर प्रतिमा प्राप्त करना
93) Software - संगणक प्रणाली
94) Surf - वेब सफर
95) Web - जाल
96) Web technology वेब तकनीक
97) Bud - (फुल की) कली
98) Bamboo - बाँस
99) Germ - अंकुर
100) Juice - रस
101) Pulp - गूदा
102) Pollen grain - पराग केसर
103) Root - जड
104) Stone - गूठली
105) Seed - बीज
106) Coir - नारियल की जटा
107) Latex - रबर का दूध
108) Irrigation - सिंचाई
109) Crate - टोकरा

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र : विशेष स्तर : वैकल्पिक

✦ **उद्देश्य :-**

i) लोकसाहित्य के स्वरुप को समझते हुए उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना।

ii) लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को समझाना।

iii) लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना।

प्रश्नपत्र HIN- 234 (f) : विशेष स्तर : वैकल्पिक : लोकसाहित्य
तृतीय सत्र (IIIrd Semister)

✦ **पाठ्यक्रम :**

1) `लोक` शब्द की व्याख्या, लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ, लोक साहित्य का वर्गीकरण, लोकसाहित्य और विशिष्ट साहित्य में साम्य और वैषम्य, लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व लोकवार्ता।
2) लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव - विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, धर्मशास्त्र।
3) लोकगीत - परिभाषा, निर्माण तत्व, विशेषताएँ, लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों और साहित्यिक गीतों में अंतर, लोकगीतों के प्रमुख प्रकार - सोहर, विवाह, गौना, कजली, होली, लोरी, लावणी (लोकगीतों का सामान्य परिचय)
4) लोकगाथा - उत्पत्तिविषयक सिध्दांत, प्रमुख लक्षण, लोकगाथाओं का वर्गीकरण, आल्हा, गोरा-बादल, भरथरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय।

प्रश्नपत्र HIN- 244 (f) : विशेष स्तर : वैकल्पिक :
लोकसाहित्य
चतुर्थ सत्र (IVth Semister)

1) लोककथा - लोककथा के मूल स्रोत, लोककथा का स्वरुप एवं वर्गीकरण, लोककथा उत्पत्ति विषयक विविधवाद, लोककथा और साहित्यिक कहानी में अंतर, लोककथा में अभिप्राय, लोककथा की विशेषताएँ।
2) लोकनाटय - भारत में लोकनाटय की परंपरा, लोकनाटय की विशेषताएँ, लोकनाटय और साहित्यिक नाटक में अंतर, लोकरंगमंच, भारत के प्रमुख लोकनाटय - रामलीला, रासलीला, भवई, यक्षगान, तमाशा, जत्रा, मॉच, नौंटकी, कुचिपुडी, ललित, ख्याल (सामान्य परिचय)।
3) प्रकीर्ण साहित्य - मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना-टोटका।
4) लोकसाहित्य - भावाभिव्यक्ति और कलात्मक सौंदर्य।
5) लोकसाहित्य का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व।

✦ संदर्भ ग्रंथ -

1) भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2) लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3) लोकसाहित्य सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
4) लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल उप्रेति
5) खडी बोली का साहित्य - डॉ. सत्या गुप्त
6) लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र
7) लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ. सत्येन्द्र
8) लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
9) महाराष्ट्र का हिंदी लोककाव्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर
10) लोकगीतों की विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप
11) लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान
12) हमारे संस्कार गीत - राजरानी शर्मा
13) लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा
14) लोककथा विज्ञान - श्रीचन्द्र जैन
15) लोकधर्मी नाटय परंपरा - डॉ. श्याम परमार
16) लोकनाटय - परंपरा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेन्द्र भानावत
17) भारत के लोकनाटय - डॉ. शिवकुमार मधुर
18) महाराष्ट्र का लोक धर्मी नाटय - डॉ. दुर्गा दीक्षित

19) लोक साहित्य - इंद्रदेव सिंह

20) लोकसाहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार

21) भारतीय लोकसाहित्य की रुपरेखा - दुर्गा भागवत अनु. डॉ. स्वर्णकांता

----------oooooooo----------

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

सूचनाएँ :- 1) प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे।

2) प्रत्येक प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा।

3) प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीन घंटे का समय दिया जायेगा।

प्रश्नपत्र क्र. HIN-231 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य ।

प्र. क्र. 1) कामायनी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) द्रौपदी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) कामायनी पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 4) द्रौपदी पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5) संसदर्भ व्याख्या -

अ) कामायनी पर ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक) अंक 08

आ) द्रौपदी पर ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक) अंक 08

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-232 विशेष स्तर : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा ।

प्रश्न क्र. 1,2,3 एवं 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

प्र. क्र. 5 टिप्पणियों पर आधारित होगा (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-233 विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास ।

प्र. क्र. 1) आदिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) भक्तिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) रीतिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल पर एक-एक लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित है। अंक 16

प्र. क्र. 5) आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित हैं। अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(a) विशेष स्तर : वैकल्पिक - हिंदी आलोचना

प्र. क्र. 1 एवं 2 आलोचना के सैध्दांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

प्र. क्र. 3, 4 एवं 5 पाठ्यक्रम के तीनों आलोचकों पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोतरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(b) विशेष स्तर : वैकल्पिक - भारतीय साहित्य

प्र. क्र. 1) भारतीय साहित्य के सैध्दांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) अग्निगर्भ उपन्यास के आधार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) हयवदन नाटक के आधार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) अग्निगर्भ उपन्यास के आधार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5) हयवदन नाटक के आधार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(c) विशेष स्तर : वैकल्पिक - अनुवाद विज्ञान

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

प्र. क्र. 4 लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद करना। परिच्छेद 150 शब्दों का होना चाहिए। अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(d) विशेष स्तर : वैकल्पिक - मीडिया लेखन

प्र. क्र. 1) जनसंचार माध्यम (सैध्दांतिक)पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) मुद्रित माध्यम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) श्रव्य माध्यम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) जनसंचार, मुद्रित एवं श्रव्य माध्यम पर एक-एक लघुत्तरी
प्रश्न पूछे जायेंगे। जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित है। अंक 16

प्र. क्र. 5) जनसंचार, मुद्रित एवं श्रव्य माध्यम पर एक-एक
टिप्पणी पूछी जायेगी (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(e) विशेष स्तर : वैकल्पिक - प्रयोजनमूलक हिंदी

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे

प्र. क्र. 4 टिप्पणियाँ लिखिए (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 पारिभाषिक शब्दावली - 16 पारिभाषिक शब्द पूछे
जायेंगे सभी अनिवार्य होंगे अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-234(f) विशेष स्तर : वैकल्पिक - लोकसाहित्य

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होगें।

प्र. क्र. 4 लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 टिप्पणियों पर आधारित प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

एम. ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

सूचनाएँ :- 1) प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा। कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे।

2) प्रत्येक प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा।

3) प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीन घंटे का समय दिया जायेगा।

प्रश्नपत्र क्र. HIN-241 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य ।

प्र. क्र. 1) संशय की एक रात पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) आयाम पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) जहीर कुरेशी की ग़ज़लों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)

(संशय की एक रात, आयाम एवं जहीर कुरेशी की ग़ज़लों पर एक-एक लघुत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा।) अंक 16

प्र. क्र. 5) संसदर्भ व्याख्या - (तीन में से दो)

(संशय की एक रात, आयाम एवं जहीर कुरेशी की ग़ज़लें इन पर एक-एक संदर्भ पूछा जायेगा।) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-242 विशेष स्तर : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा ।

प्र. क्र. 1, 2, 3 एवं 4 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होगें।

प्र. क्र. 5 टिप्पणियों पर आधारित होगा (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-243 विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास ।

प्र. क्र. 1 एवं 2 - गद्यपर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक 16 होंगे।

प्र. क्र. 3 एवं 4 पद्य पर आधारित अंतर्गत विकल्प के साथ

दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए अंक 16 अंक होंगे।

प्र. क्र. 5 लघुत्तरी प्रश्न -

अ) गद्यपर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 08

आ) पद्यपर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 08

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(a) विशेष स्तर : वैकल्पिक - हिंदी आलोचना

प्र. क्र. 1 एवं 2 आलोचना के सैध्दांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

प्र. क्र. 3, 4 एवं 5 पाठ्यक्रम के तीनों आलोचकों पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोतरी प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे।

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(b) विशेष स्तर : वैकल्पिक - भारतीय साहित्य

प्र. क्र. 1) भारतीय साहित्य के सैध्दांतिक पक्षपर अंतर्गत विकल्प के

साथ दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) मंगलसूत्र कहानी संग्रह के आधार पर दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) वर्षा की सुबह कविता संग्रह के आधार पर दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) मंगलसूत्र कहानी संग्रह के आधार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5) वर्षा की सुबह कविता संग्रह के आधार पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(c) विशेष स्तर : वैकल्पिक - अनुवाद विज्ञान

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक

प्र. क्र. 4 लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद करना।

परिच्छेद 150 शब्दों का होना चाहिए। अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(d) विशेष स्तर : वैकल्पिक - मीडिया लेखन

प्र. क्र. 1) दृक-श्राव्य माध्यम - दूरदर्शन पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 2) दृक-श्राव्य माध्यम -दूरदर्शन पर आधारित पर दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 3) दृक-श्राव्य माध्यम - सिनेमा पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 4) दृक-श्राव्य माध्यम - सिनेमा पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) अंक 16

प्र. क्र. 5) टिप्पणियाँ लिखिए -

अ) दृक-श्राव्य माध्यम - दूरदर्शन पर आधारित (दो में से एक) अंक 08

आ) दृक-श्राव्य माध्यम - सिनेमा पर आधारित (दो में से एक) अंक 08

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(e) विशेष स्तर : वैकल्पिक - प्रयोजनमूलक हिंदी

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोतरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे

प्र. क्र 4 टिप्पणियाँ लिखिए (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 अंग्रेजी अथवा मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद।

गद्यखंड लगभग 150 शब्दों में अपेक्षित अंक 16

----------oooooooo----------

प्रश्नपत्र क्र. HIN-244(f) विशेष स्तर : वैकल्पिक - लोकसाहित्य

प्र. क्र. 1, 2 एवं 3 अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोतरी प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होगें।

प्र. क्र. 4 लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) अंक 16

प्र. क्र. 5 टिप्पणियाँ लिखिए (तीन में से दो) अंक 16

----------oooooooo----------